No. of Printed Pages : 4

ES-363

BACHELOR OF EDUCATION

Term-End Examination

December, 2010

12668

ES-363 : GUIDANCE AND COUNSELLING

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

*Note : (i) All the **four** questions are **compulsory**.*

*(ii) All the questions carry **equal weightage**.*

1. Answer the following question in about **600** words :

Explain the nature and purpose of guidance. Discuss the relationship between guidance and school education.

OR

Describe the need for guidance personnel. Discuss the role of counsellors, career masters and teachers in organising a school guidance programme effectively.

2. Answer the following question in about **600** words :

Explain the term 'techniques of guidance'. Discuss general principles, advantages and limitations of interview as a technique of guidance.

OR

Discuss Roe's theory of personality development and career choice.

3. Answer ***any four*** of the following in about ***150 words*** each :

(a) Distinguish between guidance and counselling.

(b) Explain as to how a guidance programme in a school can be evaluated.

(c) Discuss behavioural problems of children and adolescents.

(d) Explain the need and importance of socio-emotional problems.

(e) Discuss any two career problems of rural girls in India.

(f) Describe the meaning and nature career pattern.

(g) Write short note on placement service in school guidance programme.

(h) Discuss the concept of inclusive education.

4. Answer the following question in about 600 words :

Suppose you are working as a Teacher Counsellor in an inclusive school system. Discuss your plan and activities of providing guidance to differently abled children having socio-emotional problems. Also discuss the type of cooperation you would expect from parents and teachers of your school.

शिक्षा में स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2010

ई.एस.-363 : निर्देशन तथा उपबोधन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : (i) ***सभी चार*** *प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्नों की* ***अधिभारिता समान*** *है।*

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग *600* शब्दों में दीजिए : निर्देशन की प्रकृति एवं उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए। निर्देशन और विद्यालयी शिक्षा के आपसी संबंध की चर्चा कीजिए।

अथवा

निर्देशन संबंधी कार्मिकों की आवश्यकता का वर्णन कीजिए। विद्यालयी निर्देशन कार्यक्रम को भलीभांति आयोजित करने में परामर्शदाताओं, वृत्ति विशेषज्ञों (masters) और अध्यापकों की भूमिका की चर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का लगभग *600* शब्दों में उत्तर दीजिए : निर्देशन की तकनीकों को स्पष्ट कीजिए। निर्देशन की तकनीक के रूप में साक्षात्कार (इंटरव्यू) के सामान्य सिद्धांतों, लाभों एवं सीमाओं की चर्चा कीजिए।

अथवा

रो (Roe) के व्यक्तित्व विकास और वृत्ति चयन सिद्धांत की चर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** (प्रत्येक) का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए :

(a) निर्देशन और उपबोधन के बीच के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

(b) स्पष्ट कीजिए कि विद्यालय में निर्देशन कार्यक्रम का मूल्यांकन कैसे किया जा सकता है?

(c) बच्चों एवं किशोरों/किशोरियों की व्यवहारगत समस्याओं की चर्चा कीजिए।

(d) सामाजिक-संवेगात्मक समस्याओं की आवश्यकता एवं महत्व को स्पष्ट कीजिए।

(e) भारत में ग्रामीण बालिकाओं की वृत्ति संबंधी किन्हीं दो समस्याओं की चर्चा कीजिए।

(f) वृत्ति प्रतिरूप (पैटर्न) के अर्थ एवं प्रकृति का वर्णन कीजिए।

(g) विद्यालय के निर्देशन कार्यक्रम में रोजगारदायक (Placement) सेवा पर संक्षेप में नोट लिखिए।

(h) समवेत (inclusive) शिक्षा की संकल्पना एवं सीमाओं की चर्चा कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग *600* शब्दों में दीजिए :

मान लीजिए आप समवेत (inclusive) विद्यालयी पद्धति में अध्यापक परामर्शदाता के रूप में कार्यरत हैं। सामाजिक संवेगात्मक समस्याओं वाले विविध प्रकार की अक्षमता वाले बच्चों के निर्देशन हेतु अपनी योजना एवं कार्यकलापों की चर्चा कीजिए।

उपर्युक्त के संबंध में आप अपने विद्यालयी अध्यापकों एवं अभिभावकों से जिस प्रकार के सहयोग की अपेक्षा करते हैं, उसकी भी चर्चा कीजिए।